



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 417]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 28, 2005/वैशाख 8, 1927

No. 417]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 28, 2005/VAISAKHA 8, 1927

शहरी विकास मंत्रालय

(दिल्ली प्रभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2005

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

(DELHIDIVISION)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th April, 2005

का.आ. 595(अ).—कृपया शहरी विकास मंत्रालय की दिनांक 5 नवंबर, 2003 की असाधारण राजपत्र अधिसूचना सं. का.आ. 1273(अ) (फाइल सं. के-13011/1/2002-डीडी-I बी) का अवलोकन करें। उक्त अधिसूचना के पैरा 2 को इस प्रकार पढ़ा जाए :—

“2. यतः, प्रस्तावित संशोधन के बारे में आपत्तियां/सुझाव प्राप्त हुये थे और यतः, केन्द्र सरकार ने मामले के सभी पहलुओं पर ध्यानपूर्वक विचार करने के बाद मास्टर प्लान में संशोधन करने का निर्णय किया है।”

[फा. सं. के-13011/1/2002-डीडी-I बी]

एस. मुखर्जी, अवर सचिव

S.O. 595(E).—Reference is invited to Ministry of Urban Development's Extraordinary Gazette Notification No. S.O. 1273(E) dated 5th November, 2003 (F. No. K-13011/1/2002-DD-IB). The contents of para 2 of the English Version of the said notification may be read as follows:—

“2. Whereas, objections/suggestions were received with regard to the proposed modification and whereas the Central Government have, after carefully considering all aspects of the matter, decided to modify the Master Plan.”

[F. No. K-13011/1/2002-DD-IB]

S. MUKHERJEE, Under Secy.